आज
वाराणसी, २१ जुलाई, २०२३

भारतीय छात्रों की प्रतिभा से अमेरिकी शिक्षक भी प्रभावित

इण्डो-अमेरिकन चैम्बर ऑफ कामर्स के तत्वावधान में आयोजित सेमिनार में वक्ताओं ने छात्रों को अमेरिकी शिक्षण संस्थानों में प्रवेश लेने की प्रक्रिया से कराया अवगत

हाल के वर्षों में यह देखा गया है कि भारतीय छात्र अमेरिका में केवल शिक्षा प्राप्त करने के लिए जाना चाहते हैं न कि वहाँ बसने के लिए। यह एक सुखद लक्षण हैं जिससे कि भारत से प्रतिभा पलायन के रुख

में कमी आयी है। भारतीय छात्रों की प्रतिभा, उनकी निपुणता तथा शिक्षा के प्रति उनके लगाव की अमेरिकी शिक्षकों तथा विद्वानों द्वारा बहुत सराहना की जाती है। ये बाते बुधवार कों इण्डोदृअमेरिकन चैम्बर ऑफ कामर्स के तत्वावधान में गुरुवार को बीएचयू के अटल इन्क्यूबेशन सेन्टर में आयोजित अमेरिका में उच्च शिक्षा के अवसर विषयंक सेमिनार में यू.एस.आई.ई.एफ., नई दिल्ली की वरिष्ठ शैक्षणिक सलाहकार रूपाली वर्मा ने कही। यूनाइटेड स्टेट्स इंडिया एजूकेशनल फाउण्डेशन यू.एस.आई.ई.एफ.,नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में उन्होंने अमेरिका में उच्च शिक्षा विषय के सभी पक्षों का विवेचन करते हुए छात्रों द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत करने के समय से लेकर अमेरिकी शिक्षण संस्थानों में प्रवेश लेने तक की प्रक्रिया का सिलसिलेवार विवरण प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि गौरी कालरा ने सलाह दी कि छात्र केवल उन्हीं अमेरिकी संस्थाओं की सहायता लें जिन्हें विदेशी ऐम्बेसीज् ने मान्यता दे रखी है । उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे आवेदन करने के पहले विचार कर लें क्योंकि हो सकता है कि वे जो कोर्स अमेरिका में पढ़ना चाहते हों उसकी अच्छी शिक्षा भारत में ही उपलब्ध हो। सेमिनार में मुख्य वक्ता नयी अमेरिकी दूतावास की गौरी कालरा, पब्लिक एंगेजमेंट स्पेशलिस्ट डाक्टर राकेश के पंगासा, ईटीएस इंडिया टीओईएफएल और जीआरई के उत्तर और पूर्वी भारत के क्षेत्रीय प्रबंधक जोसेफ ऑगस्टीन ने ११वीं, १२वीं, स्नातक, स्नात्कोत्तर के छात्रों सहित अभिभावकों तथा सलाहकारों को अमेरिका में दिये जा रहे विभिन्न शैक्षिणिक तथा व्यवसायिक कोर्सों के बारे में आवश्यक जानकारी दी गयी। कार्यक्रम में चैम्बर के उपाध्यक्ष सी.ए. शिशिर उपाध्याय, पूर्व अध्यक्ष सी.ए. सुदेशना बासु पूर्व अध्यक्ष जे.पी. मुन्द्रा पूर्व अध्यक्ष सीए ए. विनय कुमार खाकसार आलम परवेज़ अंसारी, सी.ए. ब्रजेश जायसवाल, खाकसार ऑलम सहित अन्य उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत इण्डो.अमेरिकन चैम्बर ऑफ कामर्स, वाराणसी के अध्यक्ष राजेश कुमार तिवारी ने किया। कार्यक्रम का संचालन बी.एन. जॉन एवं चैम्बर के उपाध्यक्ष आलोक कुमार बरनवाल ने संयुक्त रूप से किया तथा धन्यवाद ज्ञापन शिवांग जायसवाल ने किया।

राष्ट्रीय सहारा
वाराणसी • शुक्रवार • 21 जुलाई • 2023

अमेरिका में उच्च शिक्षा के लिए दी जानकारी

वाराणसी। इंडो अमेरिकन चैम्बर ऑफ कॉमर्स वाराणसी के तत्वावधान अमेरिका में उच्च शिक्षा के अवसर विषय पर गुरूवार को बीएचयू में विद्यार्थियों के लिए एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास की गौरी कालरा और यूएसआईईएफ विभाग में एडुकेशन यूएसए की सलाहकार रुपाली वर्मा ने उपस्थित विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को सम्बोधित किया। इस सेमिनार में वाराणसी, भदोही, मिर्जापुर जिलों के विभिन्न स्कूलों एवं कॉलेजों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। उन्होने कहा कि इंटरनेट के माध्यम से कई जानकारी मिलती है, मगर सही व पुख्ता जानकारी के अभाव में बच्चे को लाभ नहीं मिल पाता है। कार्यक्रम के आयोजक वीएन और राजेश तिवारी ने कहा कि कल से अमेरिकी दूतावास से चार सदस्यीय टीम आई हुई है। इस आयोजन में वह स्कूली बच्चों को बताएंगे कि अगर अमेरिका में आपको पढ़ाई करना है तो किस तरह से वहां अप्लाई कर सकते है। इसके अलावा वीजा किस तरह से बनावाया जाता है। पहले सत्र में 11वीं और 12वीं के छात्र छात्राओं का समूह शामिल हुआ। दूसरे सत्र में स्नातक के विद्यार्थियों को अमेरिका में दिए जा राजे विभिन्न शैक्षणिक तथा व्यावसायिक कोर्स के बारे में विशेषज्ञों द्वारा विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई।

बीएचयू में इंडो अमेरिकन चैम्बर ऑफ कॉमर्स की ओर से सेमिनार

Scanned with CamScanner